

ইমনকল্যাণ। তেওরা

যাহা পাও তাই লও, হাসিমুখে ফিরে যাও।

কারে চাও, কেন চাও— তোমার আশা কে পূরাতে পারে ॥

সবে চায়, কেবা পায়। অসীম সংসার চ'লে যায়—

যে বা হাসে, যে বা কাঁদে, যে বা প'ড়ে থাকে ছারে ॥

[ক্ৰগা]  
 II পা -১ সী | সী -না | খপা -১ I কপা -১ গা | পা -১ | পগা -মা I  
 যা • হা পা • ও • তা • ই ল • ও •

I মগা -রা সা | নী -সা | রা -গমা I মগা -রা সা | মনী -রা | সা -১ I  
 হা • সি মু • খে •• ফি • রে যা • ও •

I { ক্ৰগা -১ পা | পা -১ | পা -১ I পা -ক্কা পা | ধা -নধা | পধা -পা } I  
 কা • রে চা • ও • কে • ন চা •• ও • •

I পা ধা ধা | ধা -সী | সী সী I না ধা না | ধা -১ | পা -ক্কা I [ ] I  
 তো মা র আ • শা কে পূ রা তে পা • রে •

II { পা ধা -পা | পসী -১ | -১ -১ I সী -না রা | সী -১ | -১ -১ I  
 স বে • চা • • য় কে • বা পা • • য়

I সী গী রী | গী -১ | গী গী I রী -না রী | সী -১ | -না -ধা } I  
 অ সী ম স ঙ্ সা র চ • লে যা • • য়

I পা -১ পা | পা -ক্কাপা | গা -১ I গধা -১ পা | গা -রা | সা -১ I  
 যে • বা হা •• সে • যে • বা কা • দে •

I সা -১ রা | গা -ক্কা | পা -১ I ধা -না সী | না -ধা | পা -ক্কা II [ ] II  
 যে • বা প • ড়ে • ধা • কে যা • রে •